रॉबर्ट वैनॉय , प्रमुख भविष्यवक्ता, व्याख्यान 5

यशायाह 5:1-6:18 आशीर्वाद देने का निर्णय

यशायाह 5:1-6:18 आशीर्वाद देने का निर्णय

आइए पुस्तक के पहले छह अध्यायों के अंतिम खंड के रूप में अध्याय 5:1-6:18 की ओर आगे बढ़ें। हमने अब तक दो खंड देखे हैं जो न्याय से शुरू होते हैं और भविष्य के आशीर्वाद के साथ समाप्त होते हैं। पहला मामला न्याय का था और फिर बहुत दूर के भविष्य में, यानी सहस्राब्दि का आशीर्वाद था। दूसरा मामला निर्णय का था, फिर कम दूर के भविष्य में आशीर्वाद का, जिसे मैं हमारे वर्तमान समय के संदर्भ के रूप में लूंगा। तीसरे खंड में, फिर से, आपके पास निर्णय है और यह आशीर्वाद के साथ समाप्त होता है, लेकिन अधिकांश भाग में यशायाह ने स्वयं आशीर्वाद का अनुभव किया है। आप यहां वह अनुभाग देखते हैं जो यशायाह 6:1-13 में समाप्त होता है, यह वह अध्याय है जिससे आप परिचित हैं, जहां यशायाह प्रभु का दर्शन देखता है। प्रभु ने लोगों तक अपना वचन पहुंचाने के लिए वेदी से अंगारे उठाए और यशायाह का अभिषेक किया। तो इस अर्थ में आप देखते हैं कि इन तीन खंडों के साथ आप बहुत दूर के भविष्य, कम दूर के भविष्य से, स्वयं यशायाह के समकालीन समय में चले जाते हैं।

यशायाह 5 - अपने लोगों के प्रति ईश्वर की निराशा - संकटों की श्रृंखला लेकिन चलिए वापस चलते हैं - और फिर से मैं इस खंड पर ज्यादा चर्चा नहीं करने जा रहा हूं - मैं आगे बढ़ना चाहता हूं। लेकिन अध्याय 5 दुःख का अध्याय है। यह अपने लोगों के प्रति परमेश्वर की निराशा का वर्णन करता है। पुनः, यह एक आकृति का उपयोग करता है। यहाँ चित्र एक अंगूर के बगीचे का चित्र है। अध्याय 5, श्लोक 1 कहता है, "मैं जिससे प्रेम रखता हूँ उसके लिये उसके अंगूर के बगीचे के लिये गीत गाऊँगा। मेरे प्रियजन का उपजाऊ पहाड़ी पर एक अंगूर का बगीचा था। उसने उसे खोदकर उसमें से पत्थर साफ किए और उसमें सबसे अच्छी लताएँ लगाईं। उसने उसमें एक प्रहरीदुर्ग बनाया और एक शराब का कुण्ड भी कटवाया। फिर उसने अच्छे अंगूरों की फ़सल की तलाश की, लेकिन उसका फल ख़राब ही निकला। अब हे यरूशलेम के निवासियों, हे यहूदा के मनुष्यों, मेरे और मेरी

दाख की बारी के बीच न्याय करो। मैंने अपने अंगूर के बगीचे के लिए जितना किया है, उससे अधिक और क्या किया जा सकता था? जब मैं अच्छे अंगूरों की तलाश में था, तो ख़राब अंगूर ही क्यों मिले? अब मैं तुम्हें बताऊंगा कि मैं अपने अंगूर के बगीचे के साथ क्या करने जा रहा हूं: मैं उसकी बाड़ को हटा दूंगा; यह नष्ट हो जायेगा. मैं इसकी दीवार तोड़ दूँगा, इसे रौंद दिया जाऊँगा। मैं उसे बंजर भूमि बना दूंगा, जो न तो काटी जाएगी, न खेती की जाएगी; वहाँ झाड़ियाँ और कांटे उगेंगे। मैं बादलों को आज्ञा दूंगा कि वे उस पर न बरसें।' सर्वशक्तिमान यहोवा की दाख की बारी इस्राएल का घराना है, और यहूदा के लोग उसकी प्रसन्नता की बारी हैं। और उस ने न्याय की बाट जोही, परन्तु खून-खराबा देखा; और धर्म की बाट जोहता रहा, परन्तु चिल्लाहट सुनता रहा।

तो, इस अंगूर के बगीचे की तस्वीर के नीचे, जिसकी देखभाल भगवान ने की थी, लेकिन जो फल नहीं लाया, प्रभु कहते हैं कि वह न्याय लाने जा रहे हैं; वह इसे बर्बाद कर देगा। और इसके बाद, श्लोक 8 और उसके बाद, इस अधर्मी लोगों इसराइल पर छह संकटों की एक श्रृंखला सुनाई गई है। आप पद 8 पर ध्यान दें: "हाय तुम पर, जो एक घर से दूसरा घर जोड़ते, और एक खेत से एक खेत जोड़ते जाते हो, यहां तक कि कोई जगह न रह जाती है।" श्लोक 11: "हाय तुम पर जो सबेरे उठकर शराब पीने के लिए दौड़ते हो, और रात को देर तक जागते रहते हो जब तक कि वे दाखमधु से भर न जाएँ।" श्लोक 18: "हाय उन पर जो पाप को छल की रस्सियों, और दुष्टता को गाड़ी की रस्सियों के समान खींच लेते हैं।" श्लोक 20: "धिक्कार है उन पर जो बुरे को अच्छा और अच्छे को बुरा कहते हैं।" 21: “हाय उन पर जो अपनी दृष्टि में बुद्धिमान और अपनी दृष्टि में चतुर हैं।” 22: "धिक्कार है उन पर जो शराब पीने में नायक हैं, पेय मिलाने में चैंपियन हैं।" तो आपके पास इस ईश्वरविहीन लोगों पर व्यक्त संकटों की श्रृंखला है।

मैंने जो थोड़ी सी बागवानी की है, उससे मैं यशायाह की छवि की कल्पना कर सकता हूं। आप जानते हैं कि आप कड़ी मेहनत करते हैं: आप पौधे लगाते हैं, और फिर आपको सूखा पड़ता है और आपको इससे कुछ नहीं मिलता है, और आप कह सकते हैं कि इसे भूल जाओ। मुझे ऐसा लगता है कि यह पूरी तरह से संभावना के दायरे में है। किसी ने यह सारा काम और प्रयास इसमें लगा दिया - यहाँ इस मामले में, बेलें, जो - मैंने अंगूर के बागों के बारे में जो थोड़ा पढ़ा है - उसके अनुसार यह एक बहुत ही मुश्किल काम है। इसे विकसित करने के लिए बहुत अधिक कौशल और

जानकारी तथा लंबी अवधि की आवश्यकता होती है। तो आप इसमें अपना सारा प्रयास लगा देते हैं, और फिर, किसी भी कारण से, आपको कुछ नहीं मिलता है। आप बस इतना कह सकते हैं, "ठीक है, मैं बस इसे हल करने जा रहा हूँ, और फिर से शुरू करूँगा।" परमेश्वर उसकी छँटाई करेगा, आग में डाल देगा और उसे जला दिया जाएगा।

यशायाह 6:1-13 पैगंबर के लिए आशीर्वाद

यहाँ 5:1 में अध्याय के अंत तक यही चित्र है; फिर आप 6:1-13 पर पहुँचते हैं, जो आशीर्वाद का एक अध्याय है। अब, यह आशीर्वाद मुख्य रूप से भविष्यवक्ता के लिए है क्योंकि प्रभु ने लोगों तक परमेश्वर का वचन पहुंचाने के लिए यशायाह का अभिषेक किया है। आप यशायाह की पुकार से परिचित हैं। मैं मुख्य रूप से भविष्यवक्ता से कहता हूं, लेकिन यह विशेष रूप से ऐसा नहीं है। अधिकांशतः लोग यशायाह की बात सुनने वाले नहीं हैं। यशायाह ने बताया कि वे कोई प्रतिक्रिया नहीं देंगे, लेकिन अध्याय अभी भी लोगों के लिए आशीर्वाद के नोट पर समाप्त होता है। आप अध्याय 6, श्लोक 11 में देखें, यशायाह कहता है, "हे प्रभु, कब तक?" आप देखिए, वे सुनने वाले नहीं हैं, "और उसने उत्तर दिया, 'जब तक नगर नष्ट नहीं हो जाते, और उनमें कोई निवासी नहीं रह जाता, जब तक घर वीरान नहीं रह जाते, खेत नष्ट नहीं हो जाते और नष्ट नहीं हो जाते।'" यह आने वाले फैसले की बात कर रहा है, निर्वासन, "जब तक यहोवा सब को दूर न भेज दे, और देश पूरी तरह से त्याग न दिया जाए।" लेकिन फिर पद 13: "और चाहे दसवाँ भाग भी भूमि में रह जाए, वह फिर उजाड़ दिया जाएगा। परन्तु जैसे बांज और बांज के पेड़ काटे जाने पर ठूंठ रह जाते हैं, वैसे ही पवित्र बीज भूमि में ठूंठ ठहरेगा।" ऐसा लगता है कि भगवान यहां यशायाह के माध्यम से जो कह रहे हैं वह यह है कि निर्वासन के बाद एक अवशेष होगा, और फिर एक अवशेष का अवशेष होगा, इसलिए भगवान के लोग संरक्षित रहेंगे। इज़राइल पूरी तरह से ख़त्म या नष्ट नहीं होने वाला है। कोई भी चीज़ परमेश्वर के लोगों को तब तक पूरी तरह से नष्ट नहीं कर सकती जब तक कि उनके द्वारा मसीह में किए गए वादे मसीह के आगमन तक पूरे नहीं हो जाते। तो स्टंप तो बचे ही रहेंगे. वहां अभी भी ठूंठ है, और उस ठूंठ में अभी भी जीवन है। यहीं पर इस शाखा का विचार आता है: यह एक ऐसा अंकुर होगा जो बचे हुए जीवन से निकलता है, जो बचा हुआ है। तो वहां आशीर्वाद का

संकेत है। अवशेषों के संरक्षण में लगे लोगों को, उन सभी निर्णयों के माध्यम से जो वे अनुभव करेंगे, अभी भी आशा रखनी चाहिए।

यशायाह 7:12 इम्मानुएल एल एट की पुस्तक संख्या 2 पर जाएँ। अपनी रूपरेखा पर वापस जाएँ। हम यशायाह और 1 की सामग्री पर गौर कर रहे हैं। रूपरेखा में यशायाह 1-6 है; 2 7-12 है. यह संरचना का अगला भाग है, जिसे अध्याय 7, श्लोक 14 में इमैनुएल के संदर्भ के कारण अक्सर "इमैनुएल की पुस्तक" कहा जाता है। तो आइए यशायाह 7-12, "इमैनुएल की पुस्तक" को देखें। यह खंड संभवतः पुस्तक के सबसे प्रसिद्ध खंडों में से एक है। इसे नये नियम में उद्धृत किया गया है। इसमें ईसा मसीह के आगमन के कुछ स्पष्ट उल्लेख हैं। लेकिन यह एक ऐसा खंड है जिसके लिए ऐतिहासिक पृष्ठभूमि काफी महत्वपूर्ण है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि [ईसा. 7:1] आहाज का असीरिया के साथ गठबंधन आपने 7:1 में पढ़ा, "जब योताम का पुत्र आहाज, जो उज्जियाह का पोता था, यहूदा का राजा था, तब अराम का राजा रसीन , और इस्राएल के राजा रमल्याह का पुत्र पेकह ने युद्ध करने के लिये चढ़ाई की। यरूशलेम, परन्तु वे उस पर अधिकार न कर सके। अब दाऊद के घराने को यह समाचार मिला, कि अराम ने एप्रैम से मेल कर लिया है"; इस प्रकार आहाज़ और उसकी प्रजा का मन वैसे हिल गया, जैसे वायु से जंगल के वृक्ष हिल जाते हैं।"

वह ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का एक पूर्व-चित्र है। रेज़िन और पेकह : दमिश्क के रेज़िन , उत्तरी साम्राज्य के पेकह ने यहूदा के अहाज पर हमला किया। यहूदा के लोग भयभीत हैं क्योंकि उन पर यहूदा से कहीं अधिक शक्तिशाली गठबंधन द्वारा हमला किया जा रहा है। इस्राएल यहूदा से अधिक शक्तिशाली था, और सीरिया इस्राएल से अधिक शक्तिशाली था। उन दोनों ने मिलकर यहूदा पर आक्रमण किया था। हमले का उद्देश्य आपने अध्याय 7, श्लोक 6 में पढ़ा: वे कहते हैं, "आओ हम यहूदा पर आक्रमण करें; आइए हम इसे तोड़ दें, इसे आपस में बांट लें और ताबील को इस पर राजा बना दें।" इसलिए उद्देश्य यह था कि आहाज को हटाकर यहूदा में अपनी कठपुतली को सत्ता में बिठाया जाए, कोई ऐसा व्यक्ति जो उनके साथ सहयोग करे। और आम तौर पर विचार यह है कि

वे जो चाहते थे वह यहूदा के सिंहासन पर कोई था जो अश्शूर का विरोध करने में उनका सहयोग करेगा। आहाज अश्शूर के विरुद्ध उनके साथ मित्रता नहीं करना चाहता था। वे कोई ऐसा व्यक्ति चाहते थे जो ऐसा कर सके। अब, उस ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का अधिक विवरण 2 राजा 16 और 2 इतिहास 28 में पाया जा सकता है। यदि आप 2 राजा 16 को देखते हैं, तो आप श्लोक 5 में देखते हैं, "तब अराम (सीरिया) का राजा रसिन , रमल्याह का पुत्र पेकह , इस्राएल के राजा ने यरूशलेम पर चढ़ाई करके आहाज को घेर लिया। आयत 7 को देखें। "आहाज़ ने अश्शूर के राजा तिग्लत्पिलेसेर के पास दूत भेजे, 'मैं तेरा सेवक और जागीरदार हूँ। ऊपर आओ, मुझे अराम (सीरिया) के राजा और इस्राएल के राजा के हाथ से बचाओ जो मुझ पर आक्रमण करते हैं।' और आहाज ने यहोवा के मन्दिर और राजभवन के भण्डारों में जो चान्दी और सोना पाया, उसे लेकर अश्शूर के राजा के पास भेंट करके भेज दिया। और आपने पढ़ा, "अश्शूर के राजा ने दमिश्क पर आक्रमण करके उस पर कब्ज़ा कर लिया। तब आहाज दमिश्क गया और तिग्लत्पिलेसेर से मिला।" तो आपको 2 राजा 16, 2 इतिहास 28 में अधिक विवरण मिलता है, लेकिन हम जो सीखते हैं वह यह है कि यशायाह अध्याय 7 में वर्णित स्थिति में, जब आहाज को रेजिन और पेकह द्वारा धमकी दी जाती है , तो वह अश्शूर के राजा तिग्लथ-पिलेसेर के पास जाता है और भेजता है उसके दूत ने टिग्लैथ-पिलेसेर को श्रद्धांजलि अर्पित की और सहायता मांगी।

अब, मुझे लगता है कि इसकी काफी संभावना है कि ऐसा पहले ही हो चुका था। जब आप यशायाह अध्याय 7 में इस विशिष्ट स्थिति में आते हैं तो उसने पहले ही अश्शूर के साथ संपर्क बना लिया था, क्योंकि प्रभु यशायाह से क्या कहते हैं, पद 3, "आप और आपके पुत्र शियर- याशूब , अंत में आहाज से मिलने के लिए बाहर जाएं।" धोबी के खेत की सड़क पर ऊपरी पूल के जलसेतु का।" उस भौगोलिक स्थिति पर ध्यान दें: "धोबी के खेत की सड़क पर ऊपरी पूल के जलसेतु का अंत।" यहीं से शहर के लिए पानी की आपूर्ति की व्यवस्था की गई थी और वह संभवतः उत्तर से इन राजाओं के हमले के खिलाफ शहर की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए कुछ कर रहा था। और यहोवा यशायाह से कहता है, उस स्थान पर जाओ और उसे यह सन्देश दो। यहाँ अध्याय 7, श्लोक 4 और निम्नलिखित में संदेश दिया गया है: "उसे कहो: 'सावधान रहो, शांत रहो, डरो मत। इन दोनों सुलगते हुए ठूँठों के कारण, रसीन और अराम के, और रमल्याह के पुत्र के भड़के हुए क्रोध के

कारण, अपना साहस न खोना । अराम, एप्रैम और रमल्याह के पुत्र ने यह कहकर तेरे नाश की युक्ति की है, कि आओ हम यहूदा पर चढ़ाई करें; आओ हम इसे तोड़ डालें, इसे आपस में बाँट लें और ताबील के पुत्र को इस पर राजा बना दें।" तौभी प्रभु यहोवा यों कहता है, ऐसा न होगा, न होगा, क्योंकि अराम का सिर दमिश्क है, और दमिश्क का सिर रसीन है । 65 वर्ष के भीतर एप्रैम इतना टूट जाएगा कि वह एक मनुष्य नहीं रह जाएगा। एप्रैम का मुखिया सामरिया है, और सामरिया का मुखिया रमल्याह का पुत्र ही है। यदि आप अपने विश्वास में दृढ़ नहीं रहेंगे, तो आप बिल्कुल भी खड़े नहीं रह पाएंगे।" अब यशायाह अश्शूर से सहायता लेने की आहाज की योजना के बारे में कुछ नहीं कहता है। वह इसका उल्लेख नहीं करता. लेकिन वह जो कहता है वह यह है, "भगवान आपकी रक्षा करेगा। ऐसा नहीं होने वाला है।" यानी इन लोगों की वजह से आहाज़ को अपनी गद्दी नहीं गंवानी पड़ेगी. ऐसा नहीं होगा. यह नहीं होगा।

लेकिन अध्याय 7 श्लोक 9 के अंत में: "यदि तू अपने विश्वास पर दृढ़ न रहे, तो तू कुछ भी खड़ा न रह सकेगा।" राजा जेम्स वहां कहते हैं, "यदि आप विश्वास नहीं करेंगे, तो निश्चित रूप से आप स्थापित नहीं होंगे।" यशायाह का कहना है, "आपको विदेशी शक्तियों की मदद की ज़रूरत नहीं है"। और निहितार्थ यह है कि यदि आप वहां अपनी सुरक्षा की तलाश करते हैं, यानी भगवान के अलावा किसी अन्य चीज़ पर भरोसा करके, तो यह आपका विनाश होगा। "यदि तुम विश्वास नहीं करोगे तो तुम स्थापित नहीं हो पाओगे। यदि तुम अपने विश्वास पर दृढ़ नहीं रहोगे, तो तुम बिल्कुल भी खड़े नहीं रहोगे।"

अब, जाहिर है, आहाज की प्रतिक्रिया संदेहपूर्ण है। और आपने श्लोक 10 में पढ़ा और उसके बाद प्रभु एक अतिरिक्त संदेश के साथ फिर से आते हैं। पद 10 कहता है, "इसके अलावा, प्रभु ने आहाज से फिर बात की, कहा: प्रभु का चिन्ह मांगो। या तो गहराई में पूछो या ऊपर की ऊंचाई में. परन्तु आहाज ने कहा, मैं न पूछूंगा, और न यहोवा की परीक्षा करूंगा । तब यशायाह ने कहा, हे दाऊद के घराने सुन, क्या मनुष्योंको थका देना तुम्हारे लिये छोटी बात है; क्या तुम मेरे भगवान को भी थकाओगे? इसलिये यहोवा आप ही तुम्हें एक चिन्ह देगा। देखो, कुँवारी गर्भवती होगी और एक पुत्र जनेगी और वह उसका नाम इम्मानुएल रखेगी। वह मक्खन और मधु खाएगा, जिस से वह बुराई को त्यागना और भलाई को ग्रहण करना सीखे। इससे पहले कि बच्चा बुराई को

त्यागना और अच्छे को चुनना सीखे, जिस भूमि से आप डरते हैं वह उसके दोनों राजाओं द्वारा त्याग दी जाएगी।" तो जाहिर है, आहाज को संदेह था।

तब प्रभु इस संदेश के साथ यशायाह के पास आते हैं: एक पुत्र मांगो। यदि तुम्हें विश्वास नहीं है कि मैं क्या कह रहा हूँ, तो एक पुत्र माँग लो। परमेश्वर प्रदर्शित करेगा कि मैं जो कहता हूँ वह सत्य है। आहाज़ ने इसे एक पवित्र कथन के साथ ख़ारिज कर दिया: वह परमेश्वर को प्रलोभित नहीं करना चाहता था, या परमेश्वर की परीक्षा नहीं लेना चाहता था। आहाज कहता है, मैं न मांगूंगा, और न यहोवा को परखूंगा। मुझे लगता है कि इसके पीछे वास्तव में जो बात है वह यह है कि वह भगवान पर भरोसा नहीं करना *चाहता था* / वह उस रास्ते पर नहीं चलना *चाहता था जो यशायाह सुझा रहा था* / वह जो चाहता था वह असीरिया के साथ इस गठबंधन की सुरक्षा थी। उसे लगा कि यह कुछ ऐसा है जो उसे गारंटी देगा कि रेजिन और पेका उसे सिंहासन से नहीं हटाएंगे। तो वह कहता है, "मैं चिन्ह माँगकर प्रभु की परीक्षा नहीं करने जा रहा हूँ," परन्तु यशायाह कहता है - पद 13 - "हे दाऊद के घराने, सुन, क्या मनुष्यों को थका देना तुम्हारे लिये छोटी बात है; क्या तू मेरे परमेश्वर को भी थका देगा?" वहाँ फटकार का एक तत्व है। तो "यहोवा तुम्हें एक चिन्ह देगा, कि एक कुँवारी गर्भवती होगी और उसके एक पुत्र उत्पन्न होगा, और उसका नाम इम्मानुएल होगा।" तो आपको श्लोक 13 से 16 में इमैनुएल का वह संकेत मिलता है। और यह व्याख्या का प्रश्न उठाता है, जो फिर से आसान नहीं है।

मुझे लगता है कि कम से कम हमले की धमकी ने ही आहाज को अश्शूर के साथ गठबंधन बनाने के लिए प्रेरित किया था। हमला - यदि आप उस 2 किंग्स मार्ग को देखें - सफल नहीं रहा। 2 राजा 16:5 "उन्होंने आहाज को घेर लिया, परन्तु वे उस पर विजय न पा सके। उस समय सीरिया के रेजिन राजा ने एलथ को सीरिया के लिए पुनः प्राप्त कर लिया" - अब वह अकाबा की खाड़ी के नीचे है - "और एलथ से यहूदियों को निकाल दिया ।" और सीरियाई वहां से रहने के लिए एलथ आए ताकि वे कुछ क्षेत्र ले सकें, लेकिन वे वास्तव में ऐसा नहीं कर सके - वे आहाज को जीतने में सक्षम नहीं थे। अब पद 7 कहता है, "अतः आहाज ने तिग्लत्पिलेसेर में दूत भेजे।" उसने संभवतः उस हमले की आशंका में, या शायद उसके दौरान भी, टिग्लाथ-पिलेसर में दूत भेजे। मुझे नहीं लगता कि शुरुआती हमले के सफल नहीं होने का कारण वास्तव में टाइग्लैथ-पाइल्सर था। अब, निस्संदेह,

रेजिन के लोगों ने हार नहीं मानी होगी; वे वापस आते और इसे दोबारा करते। लेकिन दो साल के भीतर असीरिया ने दमिश्क पर हमला कर दिया और सीरियाई खतरा वास्तव में नष्ट हो गया। शुरुआती हमला सफल नहीं रहा. मुझे नहीं लगता कि उस समय असीरिया सीधे तौर पर शामिल था, लेकिन सीरियाई फिर से वापस आ सकते थे। इस बीच, आहाज ने असीरिया के साथ गठबंधन किया था।

यशायाह 7:13-16 - विभिन्न दृष्टिकोण 1. संपूर्ण परिच्छेद आहाज के साथ तत्काल स्थिति को संदर्भित करता है

जब आप अध्याय 7, श्लोक 13-16 और इम्मानुएल के इस चिन्ह पर पहुँचते हैं, तो इस तक पहुँचने के विभिन्न तरीके हैं। कुछ लोगों ने तात्कालिक स्थिति का हवाला देते हुए 13-16 मान लिया है। दूसरे शब्दों में, यह एप्रैम और सीरिया के हमले के इस प्रश्न से संबंधित है, और इसका मतलब यह है कि उस स्थिति के संदर्भ में एक बच्चे का जन्म होगा। इससे पहले कि वह बच्चा इतना बड़ा हो जाए कि अच्छे और बुरे के बीच अंतर कर सके, श्लोक 16, वे दोनों शत्रु राजा चले जाएंगे। तो यह सब तात्कालिक स्थिति से संबंधित है।

अब, मुझे लगता है कि उस दृष्टिकोण पर कुछ आपत्तियाँ हैं। यह वास्तव में फटकार के तत्व की अनुमति नहीं देता है। आहाज को फटकार कहाँ है? संकेत यह है कि यह बच्चा पैदा होने वाला है, और इससे पहले कि बच्चा बहुत बूढ़ा हो, ये दोनों राजा चले जायेंगे। वहाँ फटकार का कोई तत्व ही नहीं है। यह एक आशीर्वाद है. यह आराम का वादा है. यह वास्तव में श्लोक 13 को बिल्कुल अर्थहीन बना देता है। आयत 13 कहती है, “हे दाऊद के घराने, सुनो, क्या मनुष्यों को थका देना तुम्हारे लिये छोटी बात है; क्या तू मेरे परमेश्वर को भी थका देगा?” वह तो डांट-फटकार लगती है। ऐसा लगता है कि आगे जो कुछ लिखा गया है उसमें किसी न किसी तरह से फटकार का तत्व जरूर शामिल होना चाहिए। तो यह वास्तव में श्लोक 13 के साथ न्याय नहीं करता है।

इसके अलावा, जब आप मैथ्यू के सुसमाचार की ओर मुड़ते हैं, तो मैथ्यू कहता है कि यह मसीह के आने की भविष्यवाणी है। मत्ती 1:23 कहता है, "देख, एक कुँवारी गर्भवती होगी, गर्भवती होगी, और एक पुत्र जनेगी, वे उसका नाम इम्मानुएल रखेंगे," जिसका अर्थ होगा 'परमेश्वर हमारे

साथ है।" पद 22 में यह कहा गया है , "यह सब इसलिए किया गया ताकि वह पूरा हो जो प्रभु ने भविष्यवक्ता के माध्यम से कहा था, 'एक कुंवारी गर्भवती होगी।'" मैथ्यू इसे सीधे मसीह के जन्म पर लागू करता है। इसलिए कुछ लोग इसे तात्कालिक स्थिति के संदर्भ के रूप में लेते हैं, लेकिन मुझे ऐसा लगता है कि यह परिच्छेद में फटकार के तत्व के संदर्भ में न्याय नहीं करता है, और यह निश्चित रूप से लागू होने वाले नए नियम के उद्धरण के साथ न्याय नहीं करता है। यह ईसा मसीह के जन्म के लिए है.

2. संपूर्ण परिच्छेद ईसा मसीह का संदर्भ देता है दूसरा दृष्टिकोण यह है कि कुछ लोग पूरे परिच्छेद को ईसा मसीह के संदर्भ के रूप में लेते हैं। यहां विचार यह होगा कि आहाज की अयोग्यता को ध्यान में रखते हुए, ईश्वर उसकी जगह डेविड के सिंहासन पर एक योग्य व्यक्ति को बिठाएगा, अर्थात् मसीह के साथ, इम्मानुएल को। अब फिर, उस दृष्टिकोण की अपनी कठिनाइयाँ हैं। इस दृष्टिकोण के साथ कठिनाई यह है कि इसमें तात्कालिक संदर्भ से पर्याप्त संबंध का अभाव है। यह वास्तव में श्लोक 15 और 16 की व्याख्या करने में कठिनाई का कारण बनता है जो कहता है, "वह मक्खन और शहद खाएगा जब वह बुराई को त्यागना और अच्छे को चुनना सीखेगा। क्योंकि इससे पहले कि बच्चा बुरे को त्यागना और अच्छे को चुनना सीखे, वह देश जिससे तुम डरते हो, उसके दोनों राजाओं द्वारा त्याग दिया जाएगा।" यह निश्चित रूप से तात्कालिक स्थिति की बात कर रहा है। यह मसीह पर कैसे लागू होता है? तो ऐसा लगता है कि पहला दृष्टिकोण जो इसे तत्काल स्थिति पर लागू करता है वह श्लोक 13 के साथ न्याय नहीं करता है; और जो दृष्टिकोण यह सब मसीह पर लागू करता है, वह श्लोक 15 और 16 के साथ न्याय नहीं करता है। अब कुछ लोगों ने 15 को एक बच्चे के रूप में मसीह के सरल जीवन की भविष्यवाणी करने की कोशिश की है, लेकिन आप शायद ही श्लोक 16 से इसका पता लगा सकें। मैं मुझे यकीन नहीं है कि आप इसे श्लोक 15 के साथ भी कर सकते हैं।

3. एकाधिक पूर्ति: आहाज का पुत्र [हिजकिय्याह] और मसीह अब एक और दृष्टिकोण, पिछले दोनों की कठिनाइयों को देखते हुए, कुछ लोगों को एकाधिक पूर्ति की वकालत करने के

लिए प्रेरित करता है, जो कि एक समकालीन बच्चे में पूर्णता पाते हैं - शायद हिजकिय्याह, आहाज का पुत्र, या यशायाह भविष्यवक्ता का एक बच्चा , - लेकिन एक ओर एक समकालीन बच्चा, और दूसरी ओर मसीह में भी पूर्णता पाता है।

इस दृष्टिकोण का एक प्रतिनिधि वाल्टर कैसर है। यदि आप अपने उद्धरणों, पृष्ठ 13 को देखें, तो मेरे पास पुराने नियम के धर्मशास्त्र पर उनकी पुस्तक से एक पैराग्राफ है। फिर यह बच्चा कौन था? "उसकी मसीहाई गरिमा इस धारणा को पूरी तरह से खारिज कर देती है कि वह यशायाह का बेटा हो सकता है जो किसी युवती [कुंवारी] से पैदा हुआ था, जिसकी शादी शियर- जशुब की मां की कथित तौर पर मृत्यु के बाद एक भविष्यवक्ता से हुई थी।" कुछ लोगों ने यह तर्क दिया है। कैसर ऐसा नहीं करता. "अभी भी इसकी संभावना कम है कि यह किसी विवाह योग्य युवती, या भविष्यवाणी की घोषणा के समय उपस्थित किसी विशेष आदर्श युवती का संदर्भ है क्योंकि भविष्यवाणी में निश्चित रूप से 'कुंवारी' कहा गया है।" यहां उनका अपना दृष्टिकोण है। “उसे स्वयं आहाज का पुत्र समझना बेहतर है, जिसकी माँ, एवी, जकर्याह की बेटी थी जिसका उल्लेख 2 राजा 18: 2:-- अर्थात् उसके पुत्र हिजकिय्याह में किया गया है। यह सर्वविदित है कि यह पुरानी यहूदी व्याख्या थी लेकिन यह भी माना जाता है कि हिजकिय्याह 7:14 का अनुमानित संकेत नहीं हो सकता क्योंकि वर्तमान कालक्रम के अनुसार वह उस समय पहले से ही नौ वर्ष का रहा होगा।

इसे अपनाने से पहले इस अंतिम बिंदु का गहन अध्ययन किया जाना चाहिए। इज़राइल और यहूदा का कालक्रम सिद्ध नहीं हुआ है। हालाँकि, जहाँ तक व्याख्यात्मक मुद्दे का सवाल है, आप इसे एक तरफ छोड़ सकते हैं। इस समय इस बिंदु पर बहस किए बिना, "मैं चाहूंगा, (और यहां उनका निष्कर्ष है) साहसपूर्वक सुझाव दें कि केवल हिजकिय्याह यशायाह के पाठ की सभी मांगों को पूरा करता है, और फिर भी दर्शाता है कि वह उस जलवायु मसीहाई व्यक्ति का अभिन्न अंग कैसे हो सकता है जो इस इमैनुअल भविष्यवाणी में बताई गई सभी बातों को पूरा करेगा।"

आप देखिए, वह कह रहा है कि यह हिजकिय्याह और मसीह दोनों हैं। यह हिजकिय्याह है लेकिन वह उस मसीहाई-मसीह-व्यक्ति का अभिन्न अंग है जो भविष्यवाणी की गई सभी बातों को पूरा करता है। यह कैसर की "सामान्य भविष्यवाणी" की अवधारणा है जहां आपके पास यह व्यापक अवधारणा है, जिसमें बहुत सारे विवरण शामिल हैं। और वह इस तरह की अवधारणा से दोहरी पूर्ति

के विचार से बचने का प्रयास करता है, लेकिन मुझे लगता है कि यह स्पष्ट है कि यह "एकाधिक पूर्ति " है, भले ही वह इससे इनकार करेगा। लेकिन उन्हें लगता है कि भविष्यवाणी की पूर्ण पूर्ति हिजकिय्याह और मसीह दोनों को शामिल करती है। वह कहते हैं, "केवल इसमें, अब्राहमिक-डेविडिक वादे की सबसे हालिया किस्त में, यह देखा जा सकता है कि कैसे ईश्वर अभी भी अपनी सारी शक्ति और उपस्थिति में इज़राइल के साथ 'रहा' था।" किसी भी मामले में, व्याख्याएँ यह रही हैं, यह सब तात्कालिक है, या यह सब भविष्य है, या कैसर की तरह किसी प्रकार की दोहरी पूर्ति का विचार है।

अब, मुझे लगता है कि दोहरी पूर्ति पर आपत्तियां हैं। मेरे लिए, किसी भविष्यवाणी में दोहरे या एकाधिक अर्थ की एक व्याख्यात्मक समस्या है। क्या हिजकिय्याह कुंवारी जन्म का उत्पाद था? मुझे ऐसा कोई तरीका नहीं दिखता जिससे आप ऐसा कह सकें।

4. वन्नॉय का दृष्टिकोण: आहाज को फटकार और इम्मानुएल का वादा

मुझे ऐसा लगता है कि जिस तरीके से इसका समाधान पाया जा सकता है, और यह कठिन है, लेकिन मुझे ऐसा लगता है कि जिस तरीके से इसे पाया जा सकता है, वह यह है कि इन शब्दों को श्लोक 13 से 16 तक एक शब्द के रूप में लिया जाए। एक ओर आहाज को डाँट, और दूसरी ओर देश में अभी भी धर्मनिष्ठ लोगों को सांत्वना। दूसरे शब्दों में, आपके पास दो अलग-अलग दर्शक वर्ग हैं। और आहाज को फटकार यह है: तुम्हारी जगह सिंहासन पर एक योग्य व्यक्ति बैठाया जाएगा। यही तो फटकार है. भूमि में अभी भी धर्मनिष्ठ लोगों के लिए सांत्वना, अन्य श्रोता वह है, और यहां आपको कुछ परिचय देना है, यदि कोई बच्चा वर्तमान में पैदा होता है, तो इससे पहले कि बच्चा कुछ साल का हो जाए, भूमि होगी आक्रमणकारी राजाओं से मुक्त हो गये।

दूसरे शब्दों में, यशायाह दाऊद के घराने से बात करता है। पद 13 कहता है, “हे दाऊद के घराने, अब सुनो। क्या पुरुषों को थका देना तुम्हारे लिये छोटी बात है; क्या तुम भगवान को भी थका दोगे?” उस समय दाऊद के घराने की गद्दी पर कोई ऐसा व्यक्ति था जिसे प्रभु की इच्छा या भविष्यवाणी में कोई दिलचस्पी नहीं थी। आहाज ने अपनी ताकत और बुद्धि और अश्शूर के साथ अपने गठबंधन पर भरोसा किया। वह यशायाह के द्वारा प्रभु का वचन सुनना नहीं चाहता था।

यशायाह का कहना है कि परमेश्वर दाऊद के घर के इस अयोग्य निवासी के स्थान पर एक ऐसे व्यक्ति को नियुक्त करने जा रहा है जो परमेश्वर का अनुसरण करेगा। उन्हें ईश्वर के सच्चे प्रतिनिधि द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा: इमैनुएल, ईश्वर हमारे साथ हैं।

यह नहीं बताया गया है कि वह कब आ रहा है। मेरे लिए, यह व्याख्यात्मक समस्या का मूल है: यह नहीं कहा जाता कि वह कब आ रहा है। धारणा यह है कि यदि वह गर्भावस्था की सामान्य अवधि के अधीन, कुछ वर्ष का होने से पहले पैदा होता , तो वे दो खतरनाक राजा चले जाते। यह धर्मपरायण लोगों के लिए आशीर्वाद का शब्द है।

हमें अगले घंटे इस पर और चर्चा करनी होगी। लेकिन अपने उद्धरणों को देखें, पृष्ठ 15, रॉबर्ट वाशोल्ज़ के अंतर्गत , "यशायाह और आहाज: यशायाह 7 और 8 में संकट का संक्षिप्त इतिहास।" यह आहाज के अविश्वास के जवाब में है कि कुंवारी जन्म का संकेत आहाज और अन्य लोगों को दिया गया था। दाऊद के घर का रहनेवाला, जिसने चिन्ह माँगने से भी इन्कार किया था, उसे इतना असाधारण चिन्ह दिया जाएगा कि परमेश्वर के हाथ से इन्कार नहीं किया जा सकेगा। एक ऐसा संकेत था जो अपनी प्रगति के विपरीत सूर्य की छाया के संकेत को भी महत्वहीन बना देगा। संकेत यह था कि एक कुंवारी गर्भवती होगी और एक बच्चे को जन्म देगी। यह घटना सारा के बूढ़ी होने पर इसहाक के जन्म से भी अधिक प्रभावशाली है।

लेकिन फिर यशायाह की लंबी दूरी की घोषणा के बाद, यह भविष्यवक्ता दूसरे, तत्काल समानांतर , सिरो -एप्रैमाइट गठबंधन की ओर मुड़ जाता है। वह विशेष रूप से अपने लेखन में पाए जाने वाले एक पैटर्न का पालन करते हैं: वह अपनी लंबी दूरी की भविष्यवाणियों का समर्थन उन भविष्यवाणियों के साथ करते हैं जिन्हें उनके समकालीनों द्वारा देखा जा सकता है। आप पाते हैं कि यशायाह दो भविष्यवाणियाँ करता है: यशायाह 7:14 और 15 में एक लंबी दूरी की भविष्यवाणी, जिसे मैथ्यू ने पूरा होने के रूप में दर्ज किया है, और अपने दर्शकों के लिए यशायाह 7:16 में एक छोटी दूरी की भविष्यवाणी। यह आपके उद्धरण पत्रक के पृष्ठ 16 पर चला जाता है। मैं उस पर अमल करना चाहता हूं. मैं इस पर थोड़ा और चर्चा करना चाहता हूं, लेकिन हमारे पास समय नहीं है। आइए यहीं रुकें और अगली बार इस प्रश्न पर चर्चा जारी रखेंगे।

एंडर्स जॉनसन
द्वारा प्रतिलेखित कार्ली गीमन द्वारा प्रारंभिक संपादन
टेड हिल्डेब्रांट द्वारा रफ संपादन
डॉ. पेरी फिलिप्स द्वारा अंतिम संपादन
डॉ. पेरी फिलिप्स द्वारा पुनः सुनाया गया